उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2015–2016
अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'
कक्षा – XII

कूटबंध – 29/2/1
29/2/2
29/2/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/2/1	29/2/2	29/2/3		
1.	1.	2.	1.	**खंड –'क'**	15
				अपठित गद्यांश–	
	क	क	क	• सब लोग लुंज–पुंज से हो, एक कोने में बिठा दिए जाते। • सुख–दुख का अनुभव इंद्रियों के द्वारा करते, पर एक दूसरे से कह–सुन न पाते। • यह सृष्टि कैसी अजीबो गरीब होती, उसकी कल्पना – मात्र से ही हम सिहर उठते हैं।	1+1=2
	ख	ख	ख	• सुनना, देखना, सूँघना, महसूस करना आदि के अहसास को बातचीत द्वारा ही अभिव्यक्त किया जा सकता है। • बोल कर हम संसार की मोहकता का वर्णन कर सकते हैं।	2
	ग	ग	ग	• मन के दुख–क्लेश, उदासी, ऊब, निराशा, तनाव समाप्त कर मन हलका	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				हो जाता है।	
				• नकारात्मक सोच के बाहर निकलते ही मन स्वच्छ एवं शान्त हो जाता है।	1+1=2
	घ	घ	घ	आशय –	
				• दुख–दर्द और घुटन का बाहर निकलना।	
				• चित्त हलका और स्वच्छ हो, परमानन्द में खो जाना।	1+1=2
				• चित्त का पावन एवं सुंदर हो जाना।	
	ङ	ङ	ङ	• जब दो आदमी एक–दूसरे के सम्मुख होते हैं, तभी वे अपने दिल की बातें स्पष्ट करके रख पाते हैं।	2
				• ये दो से अधिक लोगों में नहीं हो पाता।	
	च	च	च	• दोनों के शरीर की विद्युत तरंगें एक दूसरे को प्रभावित करती हैं। एक व्यक्ति का स्वभाव दूसरे पर अपनी छाप छोड़ता है।	2
	छ	छ	छ	उपसर्ग – अभि प्रत्यय – इक परस्पर बातचीत द्वारा ही होती है।	½+½+1=2
	ज	ज	ज	• बातचीत की जीवन में अनिवार्यता	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				• बातचीत (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य।)	1
2.	2.	1.	2.	**अपठित काव्यांश–**	1x5=5
	क	क	क	• अस्ताचल – निराशा, उदासीनता आदि। • उदयाचल –जागृति, प्रगति आदि।	½+½=1
	ख	ख	ख	• देश का युवा वर्ग। • वास्तविकता के धरातल पर उतरना। • जीवन संघर्षों से जूझना।	½+½=1
	ग	ग	ग	• हमारा निम्न स्तर उच्च एवं विशाल बन जाता है। • सागर की तरह हमारा विस्तार बढ़ जाता है।	1
	घ	घ	घ	• मन की उदासी, निराशा, ऊब आदि। नकारात्मक सोच दूर करना। • समाज में सम्माननीय स्थान दिलाना, उच्च कोटि का बनाना।	1
	ङ	ङ	ङ	• परतंत्रता दूर करना। • आत्मनिर्भर होना। • भाग्य का भरोसा छोड़ पुरुषार्थ करना।	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				• कर्मयोगी बनना।	
				खंड – ख	
3.	3.	5.	4.	**किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित–** • भूमिका एवं उपसंहार 1+1 • विषय–वस्तु एवं प्रतिपादन 6 (तीन बिंदुओं का प्रतिपादन) • भाषा और प्रस्तुति 2	10
4.	4.	6.	3.	**पत्र–लेखन–** • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 2 • प्रश्नानुसार विषय–वस्तु 2 • भाषा विषयानुरूप 1	5
5.	5.	3.	5.	**उत्तर संक्षेप में–**	1x5=5
	क	–	–	जब समाज को प्रभावित करती है या उससे जुड़ जाती है।	1
	ख	क	–	• गहन छानबीन करके तथ्यों और सूचनाओं को सामने लाना – जिन्हें दबाने / छुपाने का प्रयास किया जा रहा हो।	1
	ग	–	–	• ताजा घटित घटना की दूसरे खबर के बीच तुरन्त सूचना देना।	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
	घ	–	–	• एक ऐसा माध्यम है जिससे संचार, सूचना, मनोरंजन, ज्ञान प्राप्त करने के साथ–साथ व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक संबंध भी स्थापित किए जा सकते हैं।	1
	ङ	–	–	• आम बोलचाल की सरल, सुबोध और प्रचलित भाषा। • व्याकरण और वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध। (अन्य उपयुक्त विशेषताएँ भी स्वीकार्य।)	½+½=1
	–	3. ख	–	• सन् 1556, गोवा में।	1
	–	ग	–	• वह लेख जिसमें सम्पादक अपने व्यक्तिगत विचार प्रकट करता है। वह समाचार–पत्र की आवाज होती है।	1
	–	घ	–	• टेलीविजन पर एंकर–बाइट (कथन) का महत्व होता है। • बीच–बीच में संबंधित व्यक्तियों के कथन को दिखा और सुना कर खबर की प्रामाणिकता को पुष्ट करता है।	1
	–	ङ	–	• किसी भी समाचार संगठन के लिए खबरों, लेखों, चर्चा–परिचर्चा द्वारा जनता को जागरूक करने वाला तथा	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				घटनाओं की सूचना देनेवाला व्यक्ति 'पत्रकार' कहलाता है।	1
			5.		
	–	–	क.	• संचार– एक व्यक्ति का अपने भावों और विचारों को दूसरे तक पहुँचाना।	1
	–	–	ख	• संचार–प्रक्रिया में प्राप्तकर्ता की प्रतिक्रिया को 'फीडबैक' कहते हैं। • संचार–प्रक्रिया की सफलता में इसकी अहम भूमिका होती है।	1
	–	–	ग	• सन् 1780, • बंगाल गज़ट।	½+½=1
	–	–	घ	• प्रेरक जानकारी और उत्तेजित कर देने वाली हर सूचना समाचार है।	1
	–	–	ङ	• चमक–दमक की दुनिया की खबरें, व्यक्ति विशेष की चर्चा।	1
6.	6.	4.	6.	**फीचर अथवा आलेख लेखन–** • विषय–वस्तु 2 • रोचकता 2 • भाषा 1	5
				खंड – ग	
7.	7.	8.	9.	• संदर्भ (कवि, कविता) 1 • पूर्वापर संबंध / प्रसंग 1	8

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				• व्याख्या 4 • विशेष / काव्य–सौंदर्य 2 काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या – भर गया है .....सींचने को। कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' कविता – 'गीत गाने दो मुझे' प्रसंग –संसार की वेदना और दुर्दशा से भयभीत होना। व्याख्या बिंदु – • संसार में व्याप्त विषमता का ज़हर। • मानव जीवन में निराशा। • लोगों में परस्पर अजनबीपन का व्यवहार। • पृथ्वी की सहनशीलता, धैर्य आदि शक्तियों का हनन। • कवि का इन शक्तियों को जगाने का प्रयत्न। विशेष – • खड़ी बोली • तत्सम प्रधान शब्दावली। • भावात्मकता। • भाषा में लाक्षणिकता। • अपने–अपने स्वार्थ में लिप्त	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				कोई किसी को सहारा नहीं देता। ऐसे में प्रेम का संचार करने के लिए प्रेरित होना चाहिए। • अनुप्रास एवं उत्प्रेक्षा अलंकार। **अथवा** तरिवर झरे.....जेउँ तोरें।। कवि – मलिक मोहम्मद 'जायसी' कविता – 'बारहमासा' प्रसंग – • वियोगिनी नागमति की फाल्गुन मास में उत्पन्न विरह भावना का वर्णन। व्याख्या बिंदु– • फाल्गुन में हवा का झकझोरों के साथ बहना। • शीत बढ़ने के कारण विरह वेदना का असहनीय हो जाना। • शरीर का पीला पड़ जाना। • वृक्षों का पत्रविहीन हो कर पुनः उल्लसित होना। • सखियों का निज पतियों संग फाल्गुन में रंगरलियाँ मनाना। • नागमति का पति–वियोग में जलना पर मिलन की उत्कट चाह।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				विशेष– • पतझड़ के समान नायिका पत्र विहीन उदास है। शरीर पीला और सूखा पड़ गया है। • अवधी भाषा। • शृंगार के वियोग पक्ष का वर्णन। • उपमा, उत्प्रेक्षा, अनुप्रास अलंकर। • चौपाई छंद। • माधुर्य गुण।	
8.	8. क	9. क	7. क	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर–** • कवि ने दीपक को उस अस्मिता का प्रतीक माना है जिसमें लघुता होते हुए भी ऊँचा उठने का गर्व, स्नेह युक्त व अकेला होते हुए भी विश्व कल्याण की भावना में मदमाता है। • पंक्ति रूपी संगठन में इसकी सार्थकता और महत्व बढ़ जाएगा।	3+3=6 2+1=3
	ख	ख	ख	• भौतिकतावाद की अंधी दौड़ के कारण प्रकृति में आए ऋतु परिवर्तन के प्रति अनभिज्ञ। • ऋतु परिवर्तन एवं त्योहारों आदि का कलैंडरों में दिखाई छुट्टियों से पता चलना।	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
	ग	ग	ग	• ऋतु परिवर्तन का अहसास न होना एक व्यंग्य है। • राम के वियोग में माता कौशल्या के संतप्त हृदय की करुणा व ममता का मार्मिक चित्रण। • कौशल्या का पथिक के माध्यम से राम को संदेश। अपने प्रिय घोड़ों को देखने का आग्रह। • घोड़ों के माध्यम से राम को देखने की उत्कंठा पूरी करना।	3
9.	9.	7.	8.	**किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य–सौंदर्य –** काव्य सौंदर्य – भाव सौंदर्य – 1 शिल्प सौंदर्य – 2	3+3=6
	क	क	क	कुसुमित.....कान। भाव – सौंदर्य : • प्रकृति के आनंदमयी उपकरणों का विरह वेदना को बढ़ावा देना। • कोयल की मधुर वाणी व भँवरों की गुंजार सहन न होना। • नायिका की विरह वेदना का मार्मिक चित्रण।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				शिल्प – सौंदर्य : • मैथिली भाषा का प्रयोग। • वियोग श्रृंगार। • अनुप्रास, उपमा अलंकार। • माधुर्य गुण। • गेयात्मकता। • वर्णनात्मक शैली।	3
	ख	ख	ख	लघु सुरधनु .....जहाँ किनारा। भाव–सौंदर्य : • सिकंदर के सेनापति की बेटी कार्नेलिया द्वारा भारत की प्राकृतिक सुंदरता एवं सांस्कृतिक महानता का मनोहारी चित्रण।	
	ग	ग	ग	शिल्प–सौंदर्य : • खड़ी बोली। • तत्सम शब्दावली। • अनुप्रास एवं मानवीकरण अलंकार। • चित्रात्मक भाषा – शैली। • सरल प्रभावमयी भाषा। किसी अलक्षित.....बेखबर। भाव–सौंदर्य – • बनारस की प्राचीनता और संस्कृति	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
10.	10.	12.	11.	का वर्णन। • आध्यात्मिकता के साथ–साथ आधुनिकता का वर्णन। शिल्प – सौंदर्य – • खड़ी बोली। • सरल और प्रवाहमयी भाषा। • सूर्य अदृश्य शक्ति का प्रतीक। • तत्सम व तद्भव शब्दावली। • छंद मुक्त कविता। • बिम्ब योजना। • माधुर्य गुण • लक्षणा शब्द शक्ति। **कोई एक व्याख्या अपेक्षित–** प्रसंग – 1 संदर्भ – 1 व्याख्या – 3 भाषा – 1 रूप की तो.....प्रेरणा देती है। पाठ – 'कुटज' लेखक – हजारी प्रसाद द्विवेदी प्रसंग – • कुटज का विषम परिस्थितियों में	3 6

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				जीना। • कठिनाइयों से न घबराते हुए संघर्ष करते रहने का संदेश। व्याख्या – • कुटज का रूप मोहक तो है ही उसके जीने का ढंग भी बड़ा अनोखा है। • ग्रीष्म ऋतु की धधकती लू में भी हरा–भरा रहता है। • कठोर चट्टानों के बीच किसी अज्ञात जल स्रोत से रस खींच कर सरस बना हुआ है। • नितांत सूनी गिरि श्रृंखला में भी ऐसा मस्त है कि दूसरों को ईर्ष्या होने लगे। • कुटज विषम परिस्थितियों से लड़ने, आत्म सम्मान के साथ जीने का संदेश देता है। विशेष – • खड़ी बोली। • संस्कृतनिष्ठ भाषा शैली। • उदाहरण द्वारा स्पष्टीकरण।	
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा** भारत की सांस्कृतिक.....हो जाता है। पाठ – 'जहाँ कोई वापसी नहीं'	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				लेखक – निर्मल वर्मा प्रसंग – भारत में पर्यावरण का अर्थ केवल भौगोलिक ही नहीं सांस्कृतिक जुड़ाव भी है। व्याख्या – • भारत की संस्कृति यूरोप की भाँति संग्रहालयों में न हो कर लोक व्यवहार में बसती है। • मनुष्य का संबंध केवल दूसरे मनुष्यों तक ही सीमित न हो कर सम्पूर्ण पर्यावरण तक है। • यूरोप में पर्यावरण का अर्थ केवल नदी, पेड़, पहाड़ों तक ही सीमित है, जबकि भारत में इसका अर्थ विस्तृत हो कर लोक संस्कृति तक समाहित है। विशेष – • सहज, सरल भाषा शैली। • तत्सम शब्दों का भरपूर प्रयोग। • प्रवाहपूर्ण भाषा।	
11.	11 क	10. क	10. क	**दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–** • शेर वर्तमान युग की स्वार्थी शासक व्यवस्था का प्रतीक है। • जिसका बाह्य रूप तो न्यायप्रिय,	4+4=8

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				अहिंसात्मक है किंतु वास्तव में वह स्वार्थी एवं हिंसक है। • कार्य करने की अपेक्षा प्रचार पर बल दे कर जनता का विश्वास प्राप्त करना। उदाहरण– • लोमड़ी का रोजगार पाने के लिए शेर के मुँह में जाना। • गधे का हरी घास पाने के लिए शेर के मुँह में मैदान मान कर जाना।	4
	ख	ख	ख	• संवदिया का संवाद बहुरिया के मायके वालों को कष्ट पहुँचाएगा। • संवदिया के गाँव वालों की बदनामी होगी। • यदि गाँव की लक्ष्मी गाँव छोड़कर चली गई तो गाँव का क्या होगा। • उसे बड़ी बहुरिया तथा अपने गाँव की बदनामी की चिंता थी।	1+3=4
	ग –	ग	ग	• जिस अनजान युवक से वह पुनः मिलना चाहती थी उससे मुलाकात हो जाना। • मुलाकात होने पर मन में अनोखी तरंगों का उठना। • इस मुलाकात को दैवीय अनुकंपा	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
12.	12.	11.	12.	मानते हुए नई मनोकामना पूर्ति के लिए नई मन्नत की गाँठ बाँधना। • पारो के मन में संभव के प्रति प्रेम का अंकुर फूटना। • लाज से गुलाबी होना। • चुनरी चढ़ाने का संकल्प उसकी प्रेमातुर मनोदशा का सूचक। **जीवन परिचय अंक विभाजन–** क. जीवन परिचय 2 ख. रचनाएँ 2 ग. भाषा–शैली / साहित्यिक / काव्यगत विशेषताएँ – (उदाहरण सहित दो विशेषताओं का उल्लेख अपेक्षित) 2 **<u>फणीश्वर नाथ रेणु</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • बिहार के पूर्णिया जिले के औराही हिंगना नामक गाँव में जन्म। • कहानी, उपन्यास तथा निबंध लेखन में दक्ष। रचनाएँ – • उपन्यास – 'मैला आँचल', 'परती परिकथा', 'कितने चौराहे'।	2+2=4 6

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				• कहानी संग्रह – 'ठुमरी', 'अग्निखोर', 'आदिम रात्रि की महक', 'तीसरी कसम'। साहित्यिक विशेषताएँ – • ठेठ ग्रामीण आँचलिक शब्दों का प्रयोग। • सजीवता एवं सरलता। • भाषा – संवेदनशील, संप्रेषणीय एवं भाव प्रधान। **अथवा** **<u>ब्रज मोहन व्यास</u>** जन्म एवं जीवन परिचय– • जन्म – इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश। • इलाहाबाद का विशाल और प्रसिद्ध संग्रहालय इन्हीं की देन। • इस संग्रहालय में संस्कृत, हिंदी, अरबी–फारसी आदि भाषाओं के ग्रंथों की भरमार। रचनाएँ – • अनुवाद– 'जानकी हरण' (कुमारदास कृत)	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				• जीवनी – 'पंडित बालकृष्ण भट्ट', 'मदन मोहन मालवीय', • आत्मकथा – 'मेरा कच्चा चिट्ठा' साहित्यिक विशेषताएँ– • सरल, सुबोध भाषा। • आम बोलचाल की भाषा तथा उर्दू शब्दों का प्रयोग। • मुहावरे और लोकोक्तियों का प्रयोग। • वर्णनात्मक शैली।	
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा** <u>विष्णु खरे</u> जन्म एवं जीवन परिचय – • जन्म छिंदवाड़ा। • क्रिश्चियन कॉलेज से अंग्रेजी–साहित्य में एम.ए.। • इंदौर समाचार – उप सम्पादक। • दिल्ली तथा मध्य प्रदेश के महाविद्यालयों में अध्यापन, लघु पत्रिका 'व्यास' का संपादन, साहित्य अकादमी में उप सचिव, नवभारत टाइम्स में कार्यकारी सम्पादक।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				• नवभारत टाइम्स, जयपुर के संपादक, जवाहरलाल नेहरू स्मारक संग्रहालय तथा पुस्तकालय–दो वर्ष वरिष्ठ अध्येता, स्वतंत्र लेखन, अनुवादक । रचनाएँ – टी.एस. इलियट का अनुवाद–'मेरू प्रदेश और अन्य कविताएँ', कविता संग्रह – 'एक गैर–रुमानी समय में', 'खुद अपनी आँख से', 'सबकी आवाज के पर्दे में', 'पिछला बाकी', समीक्षा पुस्तक–'आलोचना की पहली किताब'। काव्यगत / भाषा–शिल्प विशेषताएँ– • अभ्यस्त जड़ताओं और अमानवीय स्थितियों के विरुद्ध सशक्त नैतिक स्वर की अभिव्यक्ति। • भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों के उल्लेख द्वारा पौराणिक संदर्भों को प्रतिपादित करना। • मानव कल्याण की भावना। **अथवा** **केशवदास** जन्म एवं जीवन परिचय –	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				• ओड़छा नगर में जन्म। • ओड़छापति महाराज इंद्रजीत सिंह के मुख्य आश्रयदाता। • वीर सिंह देव का आश्रय भी मिला। • साहित्य, संगीत, धर्मशास्त्र, ज्योतिष, राजनीति और वैद्यक – विषयों के आचार्य। उनका आचार्य, महाकवि व इतिहासकार रूप काव्य रचना में दिखाई पड़ता है। रचनाएँ– 'कविप्रिया', 'रसिकप्रिया', 'रामचंद्रचंदिका', 'वीर चरित्र', 'विज्ञान–गीता', 'रतन बावनी'। साहित्यिक विशेषताएँ– • संस्कृत की शास्त्रीय पद्धति का हिन्दी में रूपांतरण। • व्यवस्थित और सर्वांगपूर्ण रीतिग्रंथ लिखे।	
13.	13.	13.	13.	जीवन–मूल्यों की दृष्टि से कथन की समीक्षा – • सूरदास को पता लग गया था कि झोंपड़ी को आग भैरों ने लगाई है; तब भी वह न तो उसे तत्कालीन भीड़ / समाज के सम्मुख प्रकट करता	5

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
				है और न संदेह की अभिव्यक्ति हाव–भाव द्वारा। • क्योंकि वह क्षमा में विश्वास करता है प्रतिशोध में नहीं। • वह झोंपड़ी के पुनर्निर्माण की बात करता है। • विषम परिस्थितियों में भी वह धैर्य और विवेक का साथ न छोड़ना। **अथवा** भूप दादा के चरित्र से जीवन–मूल्यों की प्रेरणा– • आदरभाव – भूप दादा माता–पिता की सेवा में जीवन की सार्थकता समझता है। • मातृभूमि से लगाव– रूप द्वारा गाँव से चुपचाप भाग जाने पर भी वे उसी गाँव में रहे। • वे कर्मयोगी के रूप में पर्वतीय जीवन संघर्ष में जूझते रहे, पर रूप के कहने पर भी मैदानी इलाके की ओर नहीं आए। • प्राकृतिक आपदाओं को सहने में उनकी सहनशीलता, कर्मठता, धैर्य, भूमि के प्रति प्रेम, आत्मीयता के जीवन–मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है।	5

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
14.	14.			**दो प्रश्नों के उत्तर–**	5+5=10
	क	–	–	• छोटे भाई के जन्म होने पर बिसनाथ 'दूध कटहा' हो गया। • अब इनका पालन–पोषण पड़ोस की कसेरिन दाई ने किया। • बिसनाथ माँ के आँचल और ममत्व से दूर हो गए। • ऐसे में आँगन में कसेरिन के साथ लेटा बालक दूध ही नहीं चाँदनी भी पीता है। • उसे चाँदनी माँ जैसी ही स्नेहमयी एवं ममतामयी प्रतीत होती है। • बिस्तर पर लेटा बालक बादलों के साथ लुका–छिपी करते चंद्रमा को देखता रहता।	1+2+2 =5
		14.	14.		
	ख	क	ख	• विद्यार्थी अपनी जानकारी व समझ से उत्तर लिखेंगे।	2+3=5
	–	ख	–	'बिस्कोहट की माटी' में लू और गर्मी से बचने के पारंपरिक उपायों का उल्लेख है, जैसे– • इससे बचने के लिए कमीज की जेब में प्याज रखना। • कच्चे आम का पन्ना पीना। • कच्चे आम एवं प्याज का लेप	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 2 / 1	29 / 2 / 2	29 / 2 / 3		
	–	–	14. क	करना एवं आम का उबाल कर सिर धोना, इत्यादि। • आधुनिक जीवन–शैली में भी लोग लगभग इन्हीं पारम्परिक उपायों का प्रयोग करते हैं। • बीमारी की अधिकता में चिकित्सक के पास चले जाते हैं। (अन्य उपयुक्त उपाय भी स्वीकार्य) 'बिस्कोहट की माटी' में ग्रामीण जीवन की सम्पूर्ण विशेषताएँ उभर कर समाने आई हैं– • सम्पूर्ण गाँव वालों का एक–दूसरे से जुड़ाव होना। • परिवेश में पाई जाने वाली विभिन्न जड़ी–बूटियों का औषधीय ज्ञान होना। • मानवीय संबंधों जैसे प्रेम, अनुराग आदि को प्रकृति में महसूस करना। • साँप–बिच्छू, ततैयों आदि के डंक के घरेलू उपायों की जानकारी का होना। • धार्मिक उत्सव एवं तीज त्योहार इनके जीवन के अभिन्न अंग है एवं एक विशेष स्थान रखते हैं।	3+2=5 5